an>

Title: Regarding poor condition of post-offices across the country.

श्री विनोद कुमार सोनकर (कौशाम्बी) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपका ध्यान एक बहुत महत्वपूर्ण विषय की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। भारत कृषि प्रधान देश है और आज भी देश की आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा, यानी 70 से 80 प्रतिशत हिस्सा गांव में रहता है। लेकिन जब से कोरियर सेवा शुरू हुई है तब से संचार मंत्रालय के अन्तर्गत देश के लगभग 1 लाख 55 हजार डाकघरों की हालत बहुत खराब है। कहीं डाकघर का भवन नहीं है और अगर भवन है तो कर्मचारी नहीं हैं। सरकार की तरफ से इस पर ध्यान न देने के कारण उनकी हालत बहुत खराब होती जा रही है।

अध्यक्ष महोदया, मैं कौशाम्बी लोक सभा क्षेत्र से चुनकर आया हूं, जिसे 4 अप्रैल,1997 को इलाहाबाद से अलग करके एक अलग जिला बनाया गया। लेकिन बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि आज तक वहां पर एक हैड पोस्ट आफिस भी नहीं है, जिस कारण वहां डाक समय से नहीं पहुंच पाती।

मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के संचार मंत्रालय से मांग करना चाहता हूं कि देश में जितने भी डाकघर हैं, जिनकी हालत बहुत खराब है, उन्हें आप सुदृढ़ करें और मेरे चुनाव क्षेत्र में एक हैड पोस्ट आफिस खोलने की कृपा करें।